JETIR.ORG ISSN: 2349-5162 | ESTD Year : 2014 | Monthly Issue
JOURNAL OF EMERGING TECHNOLOGIES AND INNOVATIVE RESEARCH (JETIR)
An International Scholarly Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

शिशु टीकाकरण कार्यक्रम/ टीकाकरण चार्ट 2025 - 26 के विशेष संदर्भ में : एक अध्ययन

Indu Kumari Research Scholar PAT-2020

Department Of home science L.N.M.U Darbhanga

जन्म से लेकर 12 वर्ष की आयु तक, बच्चे बीमारियों, वायरस और बैक्टीरिया के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं क्योंकि उनकी प्रतिरक्षा प्रणाली अभी भी विकसित हो रही होती है। इस छोटी सी उम्र में, उनका शरीर कुछ बीमारियों से लड़ने के लिए पर्याप्त मजबूत नहीं हो सकता है। डिप्थीरिया, टेटनस, काली खांसी और एचपीवी जैसी बीमारियाँ आज भी मौजूद हैं और एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में आसानी से फैल सकती हैं। दुनिया के कई हिस्सों में, वैक्सीन से रोके जा सकने वाली बीमारियाँ आम हैं, जिससे बच्चों के संक्रमित होने का जोखिम बढ़ जाता है।

अपने बच्चे को इन बीमारियों से बचाने का सबसे अच्छा तरीका टीकाकरण कार्यक्रम का पालन करना है। टीके आपके बच्चे की प्रतिरक्षा को मजबूत करने में मदद करते हैं, जिससे उन्हें कुछ बीमारियों से बचाया जा सकता है या अगर वे किसी गंभीर बीमारी से संक्रमित हो जाते हैं तो उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने से बचाया जा सकता है। भले ही वे किसी संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आ जाएं, लेकिन टीका लगाए गए बच्चों को गंभीर जटिलताओं का अनुभव होने की संभावना बहुत कम होती है।

टीकाकरण कार्यक्रम का पालन करने से यह सुनिश्चित होता है कि आपके बच्चे को उसके विकास के प्रत्येक चरण में सुरक्षा मिलेगी, तथा उसके दीर्घकालिक स्वास्थ्य के लिए एक मजबूत आधार तैयार होगा।

टीकाकरण कार्यक्रम क्या है?

टीकाकरण कार्यक्रम (या टीकाकरण कार्यक्रम) एक सरल योजना है जो बताती है कि आपके बच्चे को खतरनाक बीमारियों से बचाने के लिए कब टीके लगवाने चाहिए जो गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं पैदा कर सकती हैं या यहां तक कि जीवन के लिए खतरा भी बन सकती हैं। यह निर्दिष्ट करता है कि कौन से टीके की आवश्यकता है, कितनी खुराक लेनी है, और उन्हें प्राप्त करने की सही उम्र क्या है।

डॉक्टर और स्वास्थ्य विशेषज्ञ बीमारियों से सबसे बेहतर सुरक्षा प्रदान करने के लिए नवीनतम शोध के आधार पर ये कार्यक्रम तैयार करते हैं। उदाहरण के लिए, खसरा या पोलियो जैसे कुछ टीके बचपन में ही दिए जाते हैं, जबकि फ्लू के टीके जैसे अन्य टीके बाद में दिए जाते हैं।

टीकों का समय इस पर निर्भर करता है:-

जब आपके बच्चे की प्रतिरक्षा प्रणाली मजबूत सुरक्षा बनाने के लिए सबसे अच्छी प्रतिक्रिया दे सकती है।

जब आपके बच्चे को कुछ बीमारियों के होने का सबसे अधिक खतरा होता है।

बच्चों को आमतौर पर डॉक्टर के नियमित दौरे के दौरान ये टीके लगाए जाते हैं। बचपन के टीकाकरण कार्यक्रम का पालन करने से यह सुनिश्चित करने में मदद मिलती है कि आपके बच्चे को सही समय पर आवश्यक सुरक्षा मिले। माता-पिता के लिए यह भी महत्वपूर्ण है कि वे इस बारे में जानकारी रखें कि कौन से टीके आवश्यक हैं और अपने बच्चों को स्वस्थ और सुरक्षित रखने के लिए कब कोन से टीके शिशु को लगने हैं ।

अपने बच्चे का टीकाकरण क्यों महत्वपूर्ण है?

टीके आपके बच्चे को उन गंभीर बीमारियों से बचाने में मदद करते हैं जो दीर्घकालिक स्वास्थ्य समस्याओं या यहां तक कि मृत्यु का कारण बन सकती हैं। उदाहरण के लिए, पोलियो से लकवा हो सकता है, हेपेटाइटिस ए से लीवर को नुकसान हो सकता है और टेटनस से जान को खतरा हो सकता है। खसरा और टेटनस जैसी कुछ बीमारियों का कोई इलाज नहीं है। इसलिए, इन खतरनाक बीमारियों से अपने बच्चे को सुरक्षित रखने के लिए अनुशंसित टीकाकरण कार्यक्रम का पालन करना सबसे अच्छा तरीका है।

टीका से होने वाले रोग अभी भी होते हैं -:

भले ही टीकों ने भारत में बीमारियों को कम आम बना दिया है, लेकिन उन्हें पैदा करने वाले कीटाणु अभी भी मौजूद हैं। अगर कम लोगों को टीका लगाया जाता है, तो ये बीमारियाँ दूसरे देशों की तरह वापस आ सकती हैं, जिससे अस्पताल में भर्ती होने और मौतों की संख्या बढ़ सकती है। उदाहरण के लिए, पाकिस्तान और अफ़गानिस्तान में पोलियो अभी भी पाया जाता है, जो कि आस-पास के देश हैं। इन देशों से आने वाले यात्री इस बीमारी को वापस भारत ला सकते हैं और बिना टीकों के, यह तेज़ी से फैल सकता है।

टीके सिर्फ आपके बच्चे की ही नहीं, बल्कि अन्य लोगों की भी रक्षा करते हैं:

जब आप अपने बच्चे को टीका लगाते हैं, तो आप उसके आस-पास के अन्य लोगों की भी सुरक्षा करते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि जब ज़्यादा लोगों को टीका लगाया जाता है, तो बीमारियों का फैलना मुश्किल हो जाता है। इस सुरक्षा को **"हर्ड इम्युनिटी"** कहा जाता है। यह कमज़ोर लोगों, जैसे कि शिशुओं, चिकित्सा उपचार प्राप्त करने वाले लोगों और कमज़ोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोगों को बीमार होने से बचाने में मदद करता है।

टीके सुरक्षित और प्रभावी हैं:

टीके बहुत सुरक्षित हैं। भारत द्वारा स्वीकृत होने से पहले वे सुरक्षित और प्रभावी हैं, यह सुनिश्चित करने के लिए उन्हें कई परीक्षणों से गुजरना पड़ता है। स्वीकृति के बाद भी, उनकी सुरक्षा की निगरानी जारी रहती है। टीकों की बदौलत, पोलियो और चेचक जैसी बीमारियाँ, जो कभी भारत में कई लोगों की जान लेती थीं, अब मौजूद नहीं हैं।

टीकाकरण जारी रखकर हम भावी पीढ़ियों की रक्षा कर सकते हैं और इन बीमारियों को फिर से समस्या बनने से रोक सकते हैं।

रोग के उपचार की तुलना में टीकों की लागत कम होती है:

टीके किसी बीमारी के इलाज से कहीं ज़्यादा सस्ते हैं। अगर आपका बच्चा बीमार हो जाता है, तो इससे बाल रोग विशेषज्ञ के पास जाने, अस्पताल में रहने और दवाइयों पर खर्च बढ़ सकता है। अपने नवजात शिशु के टीकाकरण कार्यक्रम का पालन करने से उन्हें स्वस्थ रखकर इन खर्चों को रोकने में मदद मिलती है। लंबे समय में, टीके आपके पैसे बचाते हैं और आपको गंभीर बीमारियों के इलाज की उच्च लागतों से बचाते हैं।

आयु-आधारित बाल टीकाकरण अनुसूची चार्ट

यहाँ आपके बच्चे के टीकाकरण पर नज़र रखने में आपकी मदद करने के लिए अद्यतन टीकाकरण कार्यक्रम दिया गया है। यह चार्ट आपके बच्चे के विकास के प्रत्येक चरण में अनुशंसित टीकों को सूचीबद्ध करता है। इस कार्यक्रम का पालन करने से यह सुनिश्चित होता है कि आपके बच्चे को समय पर गंभीर बीमारियों से आवश्यक सुरक्षा मिले।

आयु	टीके	
जन्म	बीसीजी, हेप बी1, ओपीवी	
6 सप्ताह	DTwP/DTaP1, Hib-1, IPV-1, Hep B2, PCV 1, Rota-1	
10 सप्ताह	DTwP/DTaP2, Hib-2, IPV-2, Hep B3, PCV 2, Rota-2	
14 सप्ताह	DTwP/DTaP3, Hib-3, IPV-3, Hep B4, PCV 3, Rota-3*	
6 महीने	इन्फ्लूएंजा–1	
7 महीने	इन्फ्लूएंजा–2	
6-9 महीने	टाइफाइड संयुग्मित वैक्सीन	
9 माह	एमएमआर 1 (कण्ठमाला, खसरा, रूबेला)	
12 महीने	हेपेटाइटिस ए–1	
12 – 15 महीने	पीसीवी बूस्टर	
15 महीने	एमएमआर 2, वैरीसेला	
16-18 महीने	डीटीडब्ल्यूपी/डीटीएपी, एचआईबी, आईपीवी	
18-19 महीने	डीटीडब्ल्यूपी/डीटीएपी, एचआईबी, आईपीवी	
4-6 वर्ष	डीटीडब्ल्यूपी/डीटीएपी, आईपीवी, एमएमआर 3	
9-15 वर्ष	एचपीवी (2 खुराक)	
10-12 वर्ष	टीडीएपी/टीडी	

w.H.O

दूसरा, तीसरा, चौथा और पांचवां वर्ष

वार्षिक इन्फ्लूएंजा वैक्सीन

आपके बच्चे के बाल रोग विशेषज्ञ डॉक्टर द्वारा सुझाए गए नवीनतम टीकाकरण कार्यक्रम का पालन करना महत्वपूर्ण है । आपके बच्चे की उम्र और आप कहाँ रहते हैं, इसके आधार पर टीकों का समय बदल सकता है, लेकिन आपका डॉक्टर आपको प्रत्येक टीके के समय के बारे में मार्गदर्शन करेगा। वे आपके बच्चे की किसी भी विशेष ज़रूरत को पूरा करने के लिए भी तैयार रहेंगे और अगर किसी टीके से कोई दुष्प्रभाव होता है तो उसकी देखभाल भी करेंगे।

अपने बच्चे को गंभीर और रोकथाम योग्य बीमारियों से बचाने के लिए टीकाकरण कार्यक्रम का पालन करना महत्वपूर्ण है। चूंकि अलग-अलग उम्र के बच्चों को अलग-अलग बीमारियाँ होती हैं, इसलिए माता-पिता को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनके बच्चे को समय पर टीका लगाया जाए।